Shri Daljit Singh: May I know whether there is any control of the price of rice in Punjab?

Shri A. M. Thomas: We have fixed a control price in Punjab for the purpose of procurement and because of the control price which has been fixed the general market prices have adjusted themselves to that rate.

Shri Daljit Singh: May I know the quantity purchased by the Government from Punjab in the current year?

Shri A. M. Thomas: Up to 1st April, 1958, we have purchased a total quantity of 81,971 tons of rice.

श्री वाजपेयी : क्या यह सच है कि पंजाब से दिल्ली में चावल लाने पर कोई रोक लगी हुई है और जो भी चावल यहां लाया जाता है वह पंजाब सरकार द्वारा परमिट देने के बाद लाया जाता है और यदि हां तो यह बात जब कि दिल्ली को पंजाब की ज़ोन में शामिल कर दिया गया है, कहां तक ठीक है और इसका क्या कारण है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) वह शुरू-शुरू में पंजाब गवर्नमेंट ने कुछ इस किस्म का रिवाज जारी किया कि परमिट दे लेकिन जब हम को मालूम हुआ तो हम ने उनसे बातचीत की और अब यह चीज़ नहीं है ।

श्री हेमराज : क्या मैं जान सकता हूं कि हिमाचल प्रदेश में भी पंजाब से चावल लाने पर कोई रोक लगी हुई है और क्या मंत्री जी को इसका पता है कि हिमाचल प्रदेश में लोग बहुत अधिक चावल खाते हैं ?

श्री अ० प्र० जैन: वहां पर कोई ऐसी रोक नहीं है ।

Shri Ranga: What is the price at which it is purchased in Punjab?

Shri A. M. Thomas: The prices are as follows:

Fine Basmati—Rs. 25 per maund; sela Basmati—Rs. 22.75. For coarse varieties such as Begami, we pay Rs. 18 and for Dara we pay Rs. 16.15.

हिमाचल प्रदेश में कूलें

*१५५८ { श्री पद्म देव :
श्री दलजीत सिंह :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री २५ फरवरी, १९५८ के अतारांकित प्रश्न संख्या ५६१ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश के महासू जिले में करसा, गन्दनावर और रानोल में कब से कूलें चल रही हैं; और

(ख) क्या उपभोक्ता इन कूलों पर हुए व्यय में अंशदान देते हैं ?

कृषि उपमंत्री (श्री मो० वें० कृष्णप्पा) : (क) और (ख). पूछी हुई जानकारी का एक विवरण लोक-सभा की टेबिल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ७, अनुबन्ध संख्या १७]

श्री भक्त दर्शन : इस विवरण से यह मालूम होता है कि जो कूलें पिछली बरसात में टूट गई थीं उनकी मरम्मत इस कारण नहीं हो पा रही है कि उनके सम्बन्ध में कुछ गांव वालों में आपस में मतभेद होगया था, मैं जानना चाहता हूं कि जो लोग उन कूलों से लाभ नहीं उठाना चाहते उनको छोड़कर उन लोगों के लिये जो कि इस से लाभ उठाना चाहते हैं उनके लाभ के लिये उन कूलों की मरम्मत क्यों नहीं कराई जा रही है ?

श्री मो० वें० कृष्णप्पा : गांव में दो पार्टियां हैं और उन विरोधी दलों का आपस में झगड़ा था । एक पार्टी कहती है कि इनकी मरम्मत की जाय । वह दल कूलों की मरम्मत तथा देखभाल करना चाहता था जब कि दूसरी पार्टी इसके विरुद्ध थी और वह कहती है कि मत रिपेयर करो । इस तरह का झगड़ा चल रहा है । अब यह प्रश्न गवर्नमेंट के विचाराधीन है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : यह बात मैं पसन्द नहीं करता कि आपस के झगड़े की वजह से कोई चीज़ रुक जाय और हम उनको लिखने वाले हैं कि जो ठीक चीज़ हो उसको करें ।

श्री पद्म देव : क्या मैं मंत्री महोदय से जान सकता हूं कि जिस वक्त यह नहर बन रही थी उस वक्त गवर्नमेंट को यह भी मालूम था कि ठीक उसके ऊपर से सड़क बनाने की भी योजना थी ऐसी हालत में इस कूल के बनाने में जो सरकार ने १७, १८ या २० हज़ार रुपया ज़ाया किया है उसकी ज़िम्मेदारी किस पर है ?

श्री अ० प्र० जैन : मैं मानता हूं कि वहां पर जो काम हुआ वह अच्छा नहीं हुआ और उसमें कोई प्रौपर सर्वे और एलाइनमेंट नहीं किया गया जिसकी कि वजह से नुक़सान हुआ है और मैं इस बारे में एडमिनिस्ट्रेशन को लिखूंगा कि वह यह देखे कि इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है ?

श्री पद्म देव : क्या माननीय मंत्री को मालूम है कि इस कूल के बनाने में एक कुली ६ महीने पहले मर चुका था लेकिन वह तनख्वाह बाक़ायदा लेता रहा, ६ महीने तक तनख्वाह मिलती रही, पता नहीं वह तनख्वाह कहां गई और कहां पहुंची ?

श्री अ० प्र० जैन : अब मैं क्या बताऊं। मालूम नहीं कितने लाख कुली मुख्तलिफ़ कूलों में काम करते होंगे । मुझे एक कुली के बारे में क्या पता हो सकता है ।

Mineral Water Sources in Punjab

***1559. Shri Ajit Singh Sarhadi:** Will the Minister of Health be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 1306 on the 19th December, 1957 and state whether as a result of the report of the Russian Experts, any place in the Punjab has been selected for utilisation of the mineral waters of Sohna and the progress under the same?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): The recommendations of the Russian Experts are under consideration of the Punjab Government.

Shri Ajit Singh Sarhadi: May I just know if any place had been selected for the purpose?

Shri Karmarkar: As I have said earlier in reply to another question some months back, the spring at Sohna were recommended by the Russian experts. We were prepared to help with further expert aid if the Punjab Government choose to take up these springs for development. The matter has been under the consideration of the Punjab Government since 1956. It still appears to be under their consideration. I now propose to write to the Punjab Minister myself.

श्री भक्त दर्शन : क्या सोहना जल स्रोत का विकास करने के लिए केन्द्रीय सरकार ने भी सहायता देने का कोई आश्वासन दिया है और इस बात के लिए वह पंजाब सरकार को कितनी सहायता देने को तैयार है ?

श्री करमरकर : पंजाब गवर्नमेंट से अभी तक इस सम्बन्ध में हमारे पास कुछ लिखा पढ़ी नहीं आई है । जब आजायेगी तो हम उस सम्बन्ध में देखभाल करेंगे कि किस हद तक और किस किस्म की हम उनको सहायता दे सकते हैं । हम वहां से लिखा-पढ़ी आने की राह देख रहे हैं । हमारे ख्याल में यह आवश्यक काम है और इस का डेवलप करना ठीक और मुनासिब है ।

Rice from Burma

***1560. Shri Panigrahi:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether the export price of Burmese rice has gone up by £4 per ton;

(b) the quantity of rice which is yet to be imported from Burma according to our agreement with the Burmese Government; and